मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 28 दिसम्बर 2018

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र, जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	29/12/18	30/12/18	31/12/18	01/01/19	02/01/19
वर्षा (मि.मी.)	0	0	0	0	0
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	23	23	24	25	26
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	4	5	6	7	8
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	0	0	0	0	0
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	66	64	68	62	63
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	22	22	21	23	25
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	4	2	2	4	2
हवा की दिशा	पूर्व–उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	उत्तर–उत्तर–पूर्व	उत्तर–पूर्व	पूर्व–उत्तर–पूर्व

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
गेहूं		देर से बोई गई गेहूं की फसल में प्रथम सिंचाई शीर्ष जड़ जमने की अवस्था पर (21–25 दिन) व द्वितीय सिंचाई फुटाव की अवस्था पर (40–45 दिन) करें तथा 30 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टर की दर से दें।
जीरा		फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए मैन्कोजेब या जाइरम 2 ग्राम का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
सौफ		सौफ की फसल में सिंचाई करें। फसल को छाछया रोग के प्रकोप से बचाने के लिए केराथेन एल.सी. 1 मि.ली. लीटर का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
रिजका		रिजका की फसल में प्रत्येक कटाई के बाद 15 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर दें।
पशु		पशुओं को अफारे से बचाने के लिए बरसीम रिजका अधिक मात्रा में न खिलाएँ। इसके साथ सूखा चारा मिलाकर खिलाएँ।

(नौडल ऑफीसर)